अमर उजाला

PAGE NO. 8: TOP

वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी से गूंज उठा रिद्धिमा सभागार

रिद्धिमा सभागार में प्रस्तुति देते कलाकार। स्रोत : संस्था

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस के रिद्धिमा सभागार में रविवार की शाम गायन व वाद्य यंत्रों से गूंज उठी। सिंफनी में स्वर और वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी ने लोगों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का आगाज इंस्ट्रूमेंटल गुरुओं ने गणेश वंदना से किया।

इसके बाद मिश्र पहाड़ी राग, शोले के टाइटल गीत और फिल्म जवानी दीवानी में आरडी वर्मन की कंपोजीशन जा जाने जां ढूंढता फिर रहा... को अपने वाद्ययंत्रों से प्रस्तुत किया। गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे, प्रियंका ग्वाल और शालिनी पांडेय ने प्रस्तुति दी।

जिन्होंने इंस्ट्रूमेंट गुरुओं की संगत में अपने विद्यार्थियों इंदू परडल, सोनम गुआल, अंशुमा अग्रवाल और स्वरित तिवारी के साथ अलबेला साजन आयोरी को आवाज दी।

गायन गुरु प्रियंका ग्वाल श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में इंस्ट्रूमेंटल गुरुओं ने ताल से ताल मिला और अप्सरा आली को अपने वाद्य यंत्रों से पेश किया। इस दौरान देव मूर्ति, आशा मूर्ति, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. शैलेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

इन्होंने बजाए वाद्य यंत्र : उमेश मिश्रा (सारंगी), सूर्यकांत चौधरी (वायलिन), सुमन बिस्वास (मृदंगम), टुकमनी सेन (हारमोनियम), सूरज पांडेय (बांसुरी), अमर नाथ (तबला), अनुग्रह सिंह (कीबोर्ड-ड्रम), विशेष सिंह (गिटार), सुरेंद्र (कांगो), रोनी फिलिप्स (सेक्सोफोन)।